श्रीः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

॥ श्रीसुदर्शनाष्टकम् ॥

This document has been prepared by*

Sunder Kidambi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam*

*This was typeset using LaTeX and the **skt** font.

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्रीसुदर्शनाष्टकम् ॥

श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

प्रतिभटश्रेणिभीषण
जनिभयस्थानतारण
निखिलदुष्कर्मकर्शन
जय जय श्रीसुदर्शन

वरगुणस्तोमभूषण
जगदवस्थानकारण।
निगमसद्धर्मदर्शन
जय जय श्रीसुदर्शन॥ १॥

शुभजगद्रूपमण्डन
शतमखब्रह्मवन्दित
प्रथितविद्वत्सपक्षित
जय जय श्रीसुदर्शन

सुरगणत्रासखण्डन
शतपथब्रह्मनन्दित।
भजदहिर्बुध्न्यलक्षित
जय जय श्रीसुदर्शन॥ २॥

स्फुटतटिज्जालपिञ्जर
परिगतप्रह्लविग्रह
प्रहरणग्राममण्डित
जय जय श्रीसुदर्शन

पृथुतरज्वालपञ्जर
पटुतरप्रज्ञदुर्ग्रह।
परिजनत्राणपण्डित
जय जय श्रीसुदर्शन॥ ३॥

निजपदप्रीतसद्गण
निगमनिर्व्यूढवैभव
हरिहयद्वेषिदारण
जय जय श्रीसुदर्शन

निरुपधिस्फीतषड्गुण
निजपरव्यूहवैभव।
हरपुरप्लोषकारण
जय जय श्रीसुदर्शन॥ ४॥

www.brapati.com

दनुजविस्तारकर्तन
दनुजविद्यानिकर्तन
अमरदृष्टस्वविक्रम
जय जय श्रीसुदर्शन

जनितमिस्राविकर्तन
भजदविद्यानिवर्तन।
समरजुष्टभ्रमिक्रम
जय जय श्रीसुदर्शन॥ ५ ॥

प्रतिमुखालीढबन्धुर
विकटमायाबहिष्कृत
स्थिरमहायन्त्रतन्त्रित
जय जय श्रीसुदर्शन

पृथुमहाहेतिदन्तुर
विविधमालापरिष्कृत।
दृढदयातन्त्रयन्त्रित
जय जय श्रीसुदर्शन॥ ६ ॥

महितसंपत्सदक्षर
षडरचक्रप्रतिष्ठित
विविधसङ्कल्पकल्पक
जय जय श्रीसुदर्शन

विहितसंपत्षडक्षर
सकलतत्त्वप्रतिष्ठित।
विबुधसङ्कल्पकल्पक
जय जय श्रीसुदर्शन॥ ७ ॥

भुवननेत्रत्रयीमय
निरवधिस्वादुचिन्मय
अमितविश्वक्रियामय
जय जय श्रीसुदर्शन

सवनतेजस्त्रयीमय
निखिलशक्ते जगन्मय।
शमितविष्वग्भयामय
जय जय श्रीसुदर्शन॥ ८ ॥

द्विचतुष्कमिदं प्रभूतसारं पठतां वेङ्कटनायकप्रणीतम्।
विषमेऽपि मनोरथः प्रधावन् न विहन्येत रथाङ्गधुर्यगुप्तः॥ ९ ॥

॥ इति श्रीसुदर्शनाष्टकं समाप्तम् ॥

कवितार्किकसिंहाय कल्याणगुणशालिने।
श्रीमते वेङ्कटेशाय वेदान्तगुरवे नमः॥

www.prapatti.com